

प्रेषक,

डी०एस० गर्ब्याल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,

अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,

हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: // अगस्त, 2015

विषय- अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत हरिद्वार में आन्तरित मार्गों का बी०सी० द्वारा नवीनीकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-342/अ०कु०मे०/लो०नि०वि०/आन्तरिक मार्गों का नवीनीकरण, दिनांक 21.07.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ कि अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 के अन्तर्गत आन्तरित मार्गों का बी०सी० द्वारा नवीनीकरण कार्य के सम्बन्ध में उपलब्ध कराये गये आगणन के सापेक्ष धनराशि रु० 215.50 लाख के कार्यों की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्न प्रकार प्रदान की जाती है :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की लागत (लाख में)	मेला टी०सी० द्वारा संस्तुत लागत (लाख में)
01	राष्ट्रीय मार्ग सं०-58 से भेमगोडा लिंग मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य।	28.76	17.87
02	चन्द्राचार्य चौक से रा०मा०-58 तक लिंक मार्ग का नवीनीकरण का कार्य।	17.66	17.16
03	सप्तऋषि आश्रम मार्ग एवं आर०टी०ओ० चौक से खडखडी वाया पावनधाम मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य।	61.50	56.81
04	ऋषिकुल तिराहे से रा०मा०-58 तक लिंग मार्ग का नवीनीकरण मार्ग।	15.86	15.49
05	शंकराचार्य चौक से (वाया कनखल होते हुए) सिंह द्वार तक नवीनीकरण मार्ग।	101.41	99.88
	कैन्टीजेन्सी 03प्रतिशत व क्वालिटी कन्ट्रोल 01 प्रतिशत		8.29
	कुल योग-	225.19	215.50

2. उक्त कार्यों के सापेक्ष समस्त धनराशि रु० 215.50 लाख भारत सरकार से प्राप्त होने वाली धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।

- (ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iv) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (vi) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (ix) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (x) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।
- (xi) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगी।
- (xii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xiii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण मेलाधिकारी, हरिद्वार एवं प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड के द्वारा किया जाएगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।



4- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4217- शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनगत/केन्द्रपुरोनिधानित-0107-अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 की मानक मद संख्या-35-पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के नामे डाला जाएगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-415/XXVII(2)/15, दिनांक 11 अगस्त, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

6- एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या-S1508130047 दिनांक 11 अगस्त, 2015 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है।

भवदीय,

(डी0एस0 गर्ब्याल)
सचिव।

संख्या- 445/IV-3/2015-04(08)/2015, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
5. मुख्य अभियन्ता/नोडल अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
6. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार।
8. अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार।
9. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार/देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-2
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ओमकार सिंह)
संयुक्त सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 445/2015-04(08)2015

अनुदान संख्या - 013

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

अलॉटमेंट आई डी - S1508130047

आवंटन पत्र दिनांक - 11-Aug-2015

1: लेखा शीर्षक

4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016
Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 445/2015-04(08)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - S1508130047

आवंटन पत्र दिनांक - 11-Aug-2015

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

1: लेखा शीर्षक 4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय
800 - अन्य व्यय
07 - अर्धकुम्भ मेला, 2016

03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	65380000	21550000	86930000
	65380000	21550000	86930000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

21550000